THE VICE-CHAIRMAN (SHRIMATI KAMLA SINHA): Shri Govindrao Adik. Absent.

Shri Sanjay Nirapam.

Need to Preserve Birth Places of National Heroes parsonalities in U.P. and Bihar

श्री संजय निरूपम (महाराष्ट्र): धन्यवाद मैडम। मैं आप के माध्यम से और इस सदन के माध्यम से एक बहुत बड़ी राष्ट्रीय समस्या की ओर इस सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं।

मैडम, आज हमारा देश अपनी आजादी के 50 साल पूरे कर रहा है और इस उपलब्धि को हम एक उत्सव के रूप में मनाने जा रहे हैं। मैडम, मैं उस पीढ़ी को बिलांग करता हूं जोकि आजादी के बाद पैदा हुई। हम ने तो आजादी की लड़ाई नहीं देखी, लेकिन हम उन महापुरुषों के बारे में जानते हैं जिन्होंने आजादी की लड़ाई लड़ी और हमें आजाद देश में पैदा होने का मौका दिया! लेकिन मैडम आज स्थिति यह है कि इस देश में ऐसे कई महापुरुष है जिन के जन्म-स्थान के गांव और शहर बहुत उपेक्षित हैं। मैडम, मैं ने कुछ जानकारी उन महापुरुषों के बारे में हासिल की है। उन में सब से पहला बापू का गांव पोरबन्दर है। पोरबन्दर में जहां कभी महात्मा गांधी पैदा हुए थे, जहां वे रहते थे, उस घर की तो हिफाजत हो रही है, लेकिन वह शहर पोरबन्दर आज माफिया का अड्डा बन गया है। जिस व्यक्ति ने पूरी दुनियां को सत्य और अहिंसा का पाठ पढ़ाया, उस राष्ट्र नेता के शहर को आज माफिया तंत्र ने अपने कब्जे में दबोच लिया है! मैडम, पोरबन्दर में जो माफिया तंत्र चल रहे हैं, उन के जो लीडिंग लीडर्स या जो गैंगस्टर्स हैं, उन के नाम है भूरामुंजा, संतोष वेन, कालिया बाली, अनिल जडेजा, हीरालाल। आज की तारीख में यह शहर इन खतरनाक गुंडों के लिए जाना जा रहा है। गांधी जी के पैतृक घर की हिफाजत काफी हद तक की जा रही है, पर जिस महापुरुष ने पूरी दुनियां को अहिंसा का पाठ पढ़ाया, उस महापुरुष के शहर की देखभाल अब कौन करेगा?

मैडम, मुझे बताया गया है कि यह राज्य सरकार की जिम्मेदारी है, लेकिन मैं समझता हूं कि महात्मा गांधी जी सिर्फ राज्य सरकार की प्रोपर्टी नहीं हैं। महात्मा गांधी जी पूरे देश के लिए एक गौरव की बात थे तो कहीं-न-कहीं केन्द्रीय सरकार को भी अब उसे अपनी निगरानी में लेना चाहिए। मैडम, मैं पोरबन्दर के बारे में एक और जानकारी देता हूं। वहां की जो जेल है, वहां अपराधियों की डर से जेलर काम करने नहीं जाते हैं। सालों तक वहां जेल बगैर जेलर की रही है। अब आज की तारीख में वहां जेलर है, लेकिन वहां गुंडों और अपराधियों ने ऐसी स्थिति पैदा कर दी है कि वहां जेलर रहने और काम करने के लिए जाता ही नहीं है।

मैडम, अब मैं राम मनोहर लोहिया जी के जन्म-स्थान के बारे में कुछ बताना चाहता हूं उन का जन्म अकबरपुर में हुआ और वहीं वे पले-बड़े थे। यह अकबरपुर फैजाबाद के पास एक छोटासा कस्बा है। मैडम, मैं जब अकबरपुर गया तो मैं ने देखा कि एक तंग गली में वह झोपड़ीनुमा मकान है मुझे बताया गया कि इसी मकान में कभी समाजवादी दर्शन के इतने बड़े विचारक रहते थे। मैं ने वहां लोगों से पूछा कि पुरातत्व विभाग के लोग इसे एक्वायर करने के लिए क्यों नहीं आते? तो उन के पास कोई जवाब नहीं था। उसे एक्वायर करने की कोशिश भी नहीं की गयी। मैडम, इस देश में ऐसे बहुत सारे राजनीतिक हैं जोकि समाजवादी विचारधारा से जुड़े हुए हैं और उन्होंने लोहिया के नाम से, लोहिया के विचारों के नाम से आज तक राजनीति की है, तो फिर वे लोहिया जी के गांव को क्यों भूल गए? क्यों लोहिया जी के गांव को, लोहिया जी के घर को और लोहिया जी के जन्म-स्थान को सुरक्षित नहीं रखा जा सका? मैडम, मुलायम सिंह यादव जी जोकि हमारे देश के प्रतिरक्षा मंत्री है और कहते हैं कि वह बहुत बड़े लोहियावादी है, मैं उन से पूछना चाहता हूं कि उन्होंने लोहियावादियों का एक सम्मेलन तो उत्तर प्रदेश में आयोजित किया, लेकिन कभी अकबरपुर जाकर लोहिया का गांव नहीं देखा। वहां पर लोहिया जी की एक आदमकद प्रतिमा है, जोकि सालों तक बनकर तैयार पड़ी रही...

उपसभाध्यक्ष (श्रीमती कमला सिन्हा): निरूपम जी, आप का समय पूरा हो गया।

श्री संजय निरूपम: मैडम, यह बहुत बड़ा विषय है।

उपसभाध्यक्ष (श्रीमती कमला सिन्हा): बहुत बड़ा विषय है तो उसे इस तरह से आप को स्पेशल मेंशन में नहीं लाना था। आप नाम बता दीजिए।

श्री संजय निरूपम: मैडम, मैं उन महापुरुषों के जन्म-स्थान देखने खुद गया हूं।

उपसभाध्यक्ष (श्रीमती कमला सिन्हा): अच्छी बात है। अच्छा किया जो आप वहां गए।

श्री संजय निरूपम: मैडम, मेरा कहना यह है कि पुरातत्व विभाग हमारे महापुरुषों के जन्म-स्थान की देखभाल नहीं कर सकता, इसलिए मेरा मानना है एक संसदीय समिति बनाई जानी चाहिए और हम जो स्वतंत्रता के 50 वर्ष के उपलक्ष्य में समारोह करने जा रहे हैं, उस में एक बड़ासा फंड जो एच॰आर॰डी॰ मिनिस्ट्री के पास आया है, उस में कुछ करोड़ रुपया इस संसदीय समिति...

उपसभाध्यक्ष (श्रीमती कमला सिन्हा): जिन महापुरुषों के नाम आप चाहते हैं कि आ जाएं, वे नाम आप बता दीजिए।

श्री संजय निरूपम: मैडम, लोहिया जी है, उन के बाद डा॰ राजेन्द्र प्रसाद जी का जन्म-स्थान जिरादेही है मैडम, आप तो बिहार की हैं और आप वहां गयी होगी। उन के जन्म-स्थान की देखभाल भी बहुत अच्छे ढंग से नहीं हो रही है। डा॰ राजेन्द्र प्रसाद जी जिस घर में...

उपसभाध्यक्ष (श्रीमती कमला सिन्हा): बिना विवरण के आप नाम बता दीजिए क्योंकि आप का समय समाप्त हो रहा है।

श्री संजय निरूपम: मैडम, इस के अलावा मैं लाल बहादुर शास्त्री जी के गांव राम नगर के बारे में बताना चाहता हूं। उस के बाद मैं जानकारी देना चाहता था विवेकानन्द जी के जन्म स्थान के बारे में जोकि कलकत्ता के किनापुल्ली मोहल्ला में है। मैडम, वह तो विवादास्पद हो गया है। वहां ताला लटका हुआ है। उस के अंदर सन्नाटा है और वहां कोई दिया भी नहीं जलता। ऐसी स्थिति वहां पर है। कबीर जो नरतारा में पैदा हुए थे, वहां भी कबीर के जन्म-स्थान को कोई देखने वाला नहीं है। कबीर ने इतना बड़ा एक धर्म-निरपेक्ष, पंथ-निरपेक्ष का विचार दिया और उस विचार को सारे लोग मानते हैं, लेकिन किसी के पास उसके जन्म-स्थान को देखने की फुरसत नहीं है।

मैडम, मेरी सिर्फ इतनी गुजारिश है इस सदन से आपके माध्यम से, कि सरकार को इस तरह का निर्देश दिया जाये कि जब हम आजादी का पचासवां साल सेलिब्रेट करने जा रहे हैं तो उसमें एक कार्यक्रम यह भी बनाया जाए कि हमारे महापुरुषों के जो जन्म-स्थान हैं उन जन्म-स्थानों की देखरेख करने के लिए एक संसदीय समिति बनाई जाए और उसके लिए एक फंड भी एलोट किया जाए अलग से ताकि इसी साल उन जन्म-स्थानों को सुरक्षित करने के लिए, उनको डवलप करने के लिए कुछ कार्य किया जाए।

मैडम, इसी के साथ में आपको महाराष्ट्र के बारे में भी जानकारी देना चाहूंगा कि महाराष्ट्र ने इस मामले में बहुत अच्छा उदाहरण पेश किया है कि वहां के जो महापुरुष थे, जिनमें दो-तीन बड़े महत्वपूर्ण थे अर्थात छत्रपति शिवाजी, डा॰ बाबासाहेब अम्बेडकर और तिलक, उन तीनों महापुरुषों के जन्म-स्थानों की देखरेख बहुत अच्छे ढंग से हो रही है। तो उसी तरह से बाकी स्टेटस में, पूरे देश में महापुरुषों के जन्म-स्थानों की देखरेख क्यों नहीं हो सकती? मैं यही एक सवाल रखना चाहता हूं सरकार के सामने और मैंने यह भी एक सजेशन दिया है कि कोई न कोई एक पार्लियामेंटरी कमेटी आप बनाइए, जिसके सारे सदस्य सभी जगह जाएं। ऐसा न हो कि पुरातत्व विभाग के अधिकारियों पर ही छोड़ दिया जाए क्योंकि पुरातत्व विभाग के अधिकारी तो अधिकारी के तौर पर काम करते हैं, नौकरशाही के तौर पर काम करते हैं। इसलिए हम सब लोगों पर जिम्मेदारी दी जाए कि हम लोग अपनी कमेटी बनाकर उन जगहों पर जाएंगे और रेगुलर रिपोर्ट करेंगे। उसी रिपोर्ट के आधार पर गवर्नमेंट एक्शन लेगी। धन्यवाद।

Need to extent the Jurisdiction of M.T.N.L., Mumbai to Mumbai Metropolitan region for the Integrated Development of the Region

PROF. RAM KAPSE (MAHARASHTRA): Madam Vice-Chairperson, Mumbai is surrounded by Municipal Corporations and Municipal bodies which are almost next door to Mumbai, Thane, Kalyan, New Mumbai, Bhiwandi, Vivar, etc. The whole area is called BMRDA metro region. There is a suburban railway. The people from surrounding areas travel daily from their places of residence in Thane, Raigad district to their working places in Mumbai. The planning of the whole area is done by the BMRDA of which the suburban railway is one. But the telephone service is carried out by three different agencies—(1) The MTNL; (2) The Telecom Authority, Kalyan District and (3) The Telecom Authority, Alibag. Local call facility is available to some townships and restricted to other areas. The residents of the Mumbai Metropolitan Region are agitated in the matter as the quality of service is of a different standard.